|| NAMO TITTHASSA ||

GACCHADHIPATI (SPIRITUAL SOVEREIGN)
JAINACHARYA SHRIMADVIJAY
YUGBHUSHANSURI
(PANDIT MAHARAJ SAHEB)

संदर्भ क्रमांक: 202303H-01
वि.सं. २०७९, फाल्गुन वद अमास
मंगलवार, २१ मार्च २०२३
ओड़, गुजरात

**सकल श्री संघ जोग निवेदनं**

**विषय: अंतरिक्षजी समाधान**

हालही में १७ मार्च २०२३ का, अंतरीक्षजी तीर्थ के संबंध में जो समाधान किया गया वह २० मार्च २०२३ को संक्रामक (viral) होने से ज्ञात हुआ। यह समाधान किसी भी तरह से मान्य नहीं हो सकता क्योंकि,

१. यह अवसर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को सरकार के सहयोग से पालन करवाने का था और कोर्ट के आदेश को शीघ्र पालन करवाने के लिए मैंने तत्रस्त महात्माओं को संदेश भी भेजा था, लेकिन इस तरह से "out of court" ऐसा कमजोर समाधान करना किसी भी तरह से योग्य नहीं है। यह समाधान एक धर्माचार्य के रूप में हम मान्य करने के लिए तैयार नहीं है। यह समाधान श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ को बंधनकर्ता नहीं हो सकता। इसके खिलाफ प्रतिक्रिया जरूर से दी जाएगी।

२. श्रमण प्रधान चतुर्विध जैन संघ को विश्वास में लेकर यह समाधान नहीं किया गया। यह समाधान में अंतरिक्षजी पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमाजी की वर्तमान स्थिति को, लेप करते वक्त और भविष्य के लिए भी मंजूर की गई है। हालांकी इस समाधान में अतीत में जो कोर्ट के आदेश के अंतर्गत कंदोरा एवं कटीसूत्र के सुनिश्चित नाप का निर्देश किया था, उसे मद्देनज़र नहीं कीया गया।

३. दूसरी प्रतिमा मूलनायक के आगे भविष्य में रखी जाए ऐसा गर्भित प्रावधान दिख रहा है। भविष्य में चक्षु, टीका, आंगी आदि को रखने की कोई स्पष्टता नहीं दी गई है।

४. समजौते की पूरी प्रक्रिया (negotiation) और निर्णय संपूर्ण अनधिकृत तरीके से किया गया है।

५. सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश (interim order) के आ जाने के बाद भी जो इन दिनों मे दिगंबर संप्रदाय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की है उस याचिका के निकास (withdrawal) का कोई निर्णय निश्चित नहीं किया गया।

और भी बहुत कमियां इस समाधान में अंतर्निहित है।

सकल श्री संघ को तीर्थंकरों की आज्ञानुसार जागृत होकर तीर्थरक्षा में कटिबद्ध होना अनिवार्य है।

ગ.આ. વિજય યુગભૂષણસૂરી

**(ग.आ.विजय युगभूषणसूरि)**



Education Book Centre, 133, Gala Complex, Din Dayal Upadhyay Road, Mulund (W), Mumbai 80, Indi
Whatsapp No.: +91 99300 11400 | Email: info@jyot.in

Scanned with CamScanner

## श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथाय नमः

17/03/2023

1).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा का मंदिर खुला रहेगा।

2).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा के दर्शन चालू रहेंगे।

3).आज दिनांक 17/03/2023 श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा की प्रतिमाजी के वास्तविक परिस्थिति के फोटो,वीडियो साथ मे संलग्न हैं।

4).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा के बाजू में लेप के पहले बेरिकेटिंग होगा।

5).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा के दर्शन हो सके वैसे बेरिकेटिंग किये जायेंगी।

6).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा का लेप आज की प्रतिमाजी की जो परिस्थिति है उसी प्रकार किए जायेगा,उसमे किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जायेगा।

7).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा का लेप शुद्ध द्रव्यों से किया जायेगा।

7).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा के आगे अभी जो छोटी मूर्ति रखी गई है वो लेप के समय साइड में रखी जायेंगी।

8).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्माजी का पुराना लेप मूर्ति को डेमेज किए बिना डि-प्लास्टर कारीगर की जरूरत के मुताबिक करेंगे।

9).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा के लेप का काम ~~दिन-रात चालु रहेगा।~~

10) श्री अंतरिक्षजी पार्श्वनाथ परमात्मा की लेप की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कारागिर के कहने के मुताबिक जब मूर्ति पूजा करने योग्य बनेगी तब से दोनों पंथ के लिए मूर्ति पूजनीय रूप से खुली रखी जाएगी। तब तक सभी भक्त दर्शन का लाभ लेंगे।

11).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्माजी का लेप पूर्ण होने के पश्चात गरम पानी एवम् गरम दूध का उपयोग परमात्मा की प्रतिमा पर कोई भी नही करेंगे।

12).श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा के लेप के दरमियान कोई भी प्रकार की आपत्ति-बाधा-रुकावट करने वालों की जिम्मेदारी अपने-अपने पंथ के प्रतिनिधि की रहेंगी।

(13) मुद्दा क्र. 6 सुनिश्चित करने के लिये श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा की मूर्ती आज लेप के साथ जिस स्थिति मे है उसी स्थिती मे नये लेप के बाद भी रहेगी। ये बात सुनिश्चित करने के लिये दोनो पक्षो से आज दि. 20/3/2023 को कॅमेरे द्वारा शुटींग करके श्री अंतरीक्ष पार्श्वनाथ परमात्मा का चित्रीकरण करने की बात सुनिश्चित हुई। लेप की प्रक्रीया का चित्रीकरण होगा और उसका लाईव प्रक्षेपण दोनो पंथो के अधिसुचित लोगो को खुली रहेगी। रेकॉर्डींग कहीं पर भी नही दि जाएगी। कॅमेरा की मेमरी पुलिस विभागद्वारा सिल की जायेगी।

उपरोक्त 13 मुद्दे दोनो पंथो के प्रतिनिधीयो को समझाऐ गये। उसपे विस्तृत चर्चा हुई। सबने सभी मुद्दे बडी जागृतासे पढे और सभी उपस्थित लोगोको उपरोक्त [illegible]

Scanned with CamScanner

चिजे पुरी तरहसे मान्य है। दोनो पंथो के प्रतिनिधीयोने श्री
कैतरोक्षु पार्श्वनाथ परमात्मा की मुर्ती सहज और सुंदर
दिखनी चाहीए ऐसा मत प्रतित कीया और उसमे ~~सबका~~
सहमती बनी। चित्रीकरण देखने के बाद ~~कोई~~ किसी पार्टी
को कोई आक्षेप उठाया गया तो वो ~~सुलझाया जायेगा~~ बैठ
कर के सुलझाया जायेगा।.
सभा के लिए निम्न मान्यवर उपस्थित थे.

| क्र. | मान्यवर का नाम | मान्यवर की स्वाक्षरी. |
|---|---|---|
| | प. पू. सिद्धांतसागरजी महाराज | [signature] |
| 01 | चक्रेश्वर वर्धमानजी जकफर | [signature] |
| 02 | श्री. ब्र. तात्यासाहेब नेसकर | [signature] |
| 03 | | |
| 04 | श्री. परमहंसविजयजी महाराज | [signature] |
| 05 | Dilip Heralchand Shah | [signature] |
| 06. | ॲड आनंद सुधाकरराव रवाळकर | [signature] |

Scanned with CamScanner